हनुमान शिक्षण प्रसारक मंडळ सोनपेठ संचलित

# कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ, जि. परभणी

## हिंदी विभाग

### शैक्षणिक वर्ष : 2023-2024

| | | |
|---|---|---|
| भाग – अ | | |
| उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक | | 3 |
| उपक्रम / कार्यक्रमाचे नाव | | हिंदी अध्ययन मंडल का उद्घाटन समारोह |
| दिनांक- | | 1 सितंबर 2023 |
| उपक्रम / कार्यक्रमाचे स्वरूप | | प्रतिमा पुजन, पदाधिकारीयों की घोषणा, अतिथि व्याख्यान |
| उद्देश | १ | हिंदी के प्रतिभा संपन्न कवि साहित्यकारों की जानकारी देना। |
| | २ | भारतीय भाषाओं में संवाद, सद्भावना और समन्वय का प्रयास करना। |
| | ३ | छात्र-छात्राओं के भविष्य को अपने लक्ष्य तक पहुंचाना। |
| | ४ | हिंदी भाषा के सामने आनेवाली चुनौतियों से अच्छी तरह से परिचित कराना। |
| | ५ | हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण के ऑनलाइन कोर्सेज की जानकारी देना। |
| प्रमुख पाहुणे / मार्गदर्शक / व्याख्याते | | हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.डॉ कुलकर्णी वनिता, प्रा. डॉ. शिवाजी वडचकर |
| उद्घाटक | | प्रो. डॉ. अविनाश कासांडे |
| ठिकाण | | |
| उपस्थिती | विद्यार्थी | 36 |
| | कर्मचारी | 02 |
| | इतर | - |
| | एकूण | 38 |

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516
Ta. Sonpeth Dist. Parbhani

भाग – ब

उपक्रम / कार्यक्रमाचे क्रमांक संक्षिप्त विवरण

कैं रमेश वरपुडकर महाविद्यालय, सोनपेठ. के हिंदी विभाग में दिनांक 1 सितंबर 2023 को हिंदी अध्ययन मंडल के उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता उपस्थित थी। तो उद्घाटक के रूप में पंडित गुरु पार्डिकर महाविद्यालय, सिरसाला. के हिंदी विभाग प्रमुख प्रो. डॉ. अविनाश कासांडे उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिमा पुजन से की गई। इस कार्यक्रम का प्रास्ताविक डॉ. वडचकर शिवाजी ने किया। उसके पश्चात अध्ययन मंडल के पदाधिकारीयों की घोषणा की गई। उद्घाटन पर विचार व्यक्त करते हुए प्रो. डॉ. अविनाश कासांडे ने कहा, " हिंदी भाषा हमारी अस्मिता की पहचान है। यह अस्मिता संस्कृति से जुड़ी हुई है। आज दुनिया के किसी भी हिस्से में रह रहा व्यक्ति हिंदी भाषा में अपनी अभिव्यक्ति कर सकता है। आज दुनिया के हर कोने में भारतीयों का अस्तित्व है? प्रवासी भारतीय अन्य भाषाओं के साथ-साथ विदेश की सरजमीं पर विलक्षण प्रतिभा की वजह से हिंदी भाषा का परचम लहरा रहे हैं। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फभारत की पहचान है, बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यो, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। आज हिंदी साहित्य में हिंदी गजल साहित्य की लोकप्रिय विधा है। यह अरबी साहित्य की प्रसिद्ध काव्य विधा है। गजल एक ही बहर और वजन के अनुसार लिखे गए शेरों का समूह है। गजल के सबसे अच्छे शेर को शाहे बैत कहा जाता है। इस तरह से हिंदी भाषा का साहित्य स्वाभिमान ओर सम्मान का साहित्य है। इस तरह के विचारों को रखा।

इस कार्यक्रम में कुरैशी आसिफ, कु. पाटिल प्रियंका, सोमासे गजानन, धोतरे वैशाली आदि छात्र-छात्राओं ने भी अपना मंतव्य रखा। अध्यक्षीय समापन डॉक्टर कुलकर्णी वनिता ने किया। इस कार्यक्रम का सुत्र संचालन नागेश मुलगीर इस छात्र ने किया। आभार कु. वैष्णवी ढगे ने माना।

उपक्रम / कार्यक्रमाची उपयुक्तता

हिंदी के प्रतिभाशाली साहित्यकारों की जानकारी छात्रों को मिली। और छात्र-छात्राएं हिंदी साहित्य और साहित्यकारों की अधिक जानकारी लेने का प्रण करते हैं। और हिंदी भाषा को बढ़ावा देने का भी प्रण करते हैं।

Late Ramesh Warpudkar ACS College Sonpeth Pin-431516 Ta.Sonpeth Dist.Parbhani

भाग – क

उपक्रम / कार्यक्रमाचे खर्चाचे विवरण

| अ क्र | खर्च करण्यात आलेल्या वस्तूचे विवरण | झालेला खर्च (रु ) | शेरा |
|---|---|---|---|
| 1 | पुष्पहार , पुष्प गुच्छ 130/- | | |
| 2 | शॉल 100/- | | |
| 3 | नाश्ता खिचड़ी 750/- | | |
| एकूण खर्च 980/- | | | |

अहवाल सादर करणाऱ्या समिती / विभाग हिंदी

| पद | नाव | स्वाक्षरी |
|---|---|---|
| समिती अध्यक्ष/ विभाग प्रमुख | प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबुराव | |
| समन्वयक | प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबबुराव | |
| सदस्य | प्रा. डॉ वडचकर शिवाजी आप्पाराव | |

अहवाल सदर केल्याचा दिनांक : 1 / 9 / 2023

टीप: सोबत कार्यक्रमाचे GEO TAGGED फोटो व वर्तमानपत्रातील बातम्या जोडाव्यात

प्रो. डॉ. कुलकर्णी व.बा.

PRINCIPAL
Late Ramesh Warpudkar (ACS) College, Sonpeth Dist. Parbhani

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516

Late Ramesh Warpudkar ACS College
Sonpeth
Pin-431516
Ta.Sonpeth Dist.Parbhani

# हिंदी भाषा ही देशाचा आत्मा आहे - प्रो. डॉ. अविनाश कासांडे

सोनपेठ (दर्शन) :- कै. रमेश वरपुडकर महाविद्यालयात दि. १ सप्टेबर २०२३ रोजी शैक्षणिक वर्ष २०२३ - २०२४ च्या हिंदी अभ्यास मंडळाच्या उद्घाटनाचा कार्यक्रम घेण्यात आला व हिंदी अभ्यास मंडळाच्या पदाधिकाऱ्यांची निवड करण्यात आली.यानिमित्ताने हिंदी विभागात कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी हिंदी विभाग प्रमुख प्रो. डॉ. कुलकर्णी वनिता या उपस्थित होत्या तर उद्घाटक म्हणुन पं. गुरु पार्डिकर महाविद्यालय, शिरसाळा. येथील हिंदी विभाग प्रमुख प्रो.डॉ.अविनाश कासांडे हे उपस्थित होते.

या कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक प्रा. डॉ.वडचकर शिवाजी यांनी केले उद्घाटन पर विचार व्यक्त करताना डॉक्टर अविनाश कासांडे म्हणाले, हिंदी भाषा ही संपर्काची व संवादाची सशक्त माध्यम भाषा आहे. हिंदी भाषा ही संस्कृती आणि संस्काराचे प्रतिबिंब आहे. हिंदी ही भारतीय संघराज्याची राजभाषा असुन तिची लिपी देवनागरी आहे.हिंदी भाषा ही सहज, सरळ आणि सुगम भाषा असुन ती वैज्ञानिक आहे. म्हणूनच हिंदी भाषा बोलणाऱ्यांची संख्या जगभरात खुप मोठ्या प्रमाणात आहे. म्हणुन हिंदी राष्ट्रभाषेचा भारत देशात व जगभरात मान सन्मान व गौरव आहे. म्हणुनच संपूर्ण विश्वात हिंदी भाषेतून भारतीय संस्कृतीची ओळख होत असताना दिसून येते. संपूर्ण विश्वात हिंदी भाषेला महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त झाले आहे. अशाप्रकारे ग्लोबल समाज आणि डिजिटल संसार यात हिंदी भाषेचे महत्त्व आहे. अशा प्रकारचे विचार व्यक्त करताना हिंदी गद्य पद्य साहित्याची माहिती देत हिंदी साहित्यामध्ये गजल चे महत्व ही त्यांनी विस्तृतपने विशद केले. तसेच या कार्यक्रमांमध्ये आरेफ कुरेशी, कु.पाटील प्रियंका,सोमासे गजानन, धोतरे वैशाली या विद्यार्थ्यांनिही आपली मनोगते व्यक्त केली.अध्यक्षीय समारोप हिंदी विभाग प्रमुख डॉ. कुलकर्णी वनिता यांनी केला तर या कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन नागेश मुलगीर या विद्यार्थ्यांनी केले. आभार कु.वैष्णवी ढगे या विद्यार्थिनींने मानले